CDM Watch
Scrutinizing Carbon Offsets

# पारखी नज़र

## सी डी एम पर एन जी ओ की आवाज़

पहला संस्करण: अप्रैल 2012

Page 2. या सी डी एम का पॉलिसी डायलॉग पैनल उसे बचा सकता है?

Page 3. क्षितिज पर स्थानीय चर्चा के लिए कड़े नियम

Page 4. ई यू की कार्बन बाज़ार पर स्थिति क्यों महत्वपूर्ण है

Page 5. सी डी एम एग्ज़िक्यूटिव बोर्ड - सी डी एम कन्ट्रोल सेन्टर से खबरें

Page 6. निराशाजनक भविष्य (कार्बन बाज़ार का)

Page 7. सी डी एम में भट्टी व गढढे भराव: न चिरस्थायी न अतिरिक्त

Page 9. एमेज़ॉन की बिकी: विवादित बॉधों के लिए ब्राज़ील कार्बन केडिट की खोज में

Page 11. बारो ब्लैंको सी डी एम प्रोजेक्ट - शांति की राह का रोड़ा


**Watch This!**
NGO Voices on the CDM

Page 13

पारखी नज़र सूचना पट्ट: हिन्दी टूलकिट, परिचर्चा मंच, डॉक्यूमेन्टरी: 'द कार्बन रश', 'रेसिस्टेन्शिया'

## अभिनन्दन

हमारे एन जी ओ की नवीनतम पत्रिका का पहला संस्करण प्रस्तुत है। पारखी नज़र - **सी डी एम पर एन जी ओ का दृष्टिकोण'** अंग्रेज़ी, स्पैनिश व हिन्दी में एक त्रैमासिक पत्रिका के रूप में अभियान की नई जानकारियों व दुनिया भर के दृष्टिकोणों के साथ प्रकाशित होगी।

इस महीने सी डी एम के पंजीकृत प्रोजेक्टों ने पहली बार 4000 के अंक को छुआ व करीब 1000 अन्य प्रोजेक्टों के इस वर्ष के अन्त तक इसके साथ जुड़ने की संभावना है। यह विशेष तौर पर इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 2012 वह आखिरी साल है जब सी डी एम के प्रोजेक्ट उभरते हुए अर्थव्यवस्थाओं वाले देश जैसे कि चीन व भारत पंजीकृत हो सकते हैं व यूरोपियन यूनियन में बिक्री के लिए उपयुक्त हैं। इसलिए हम पंजीकरण के लिए बहुत भीड़ की अपेक्षा कर रहे हैं व ऐसी स्थिति में ई यू के कार्बन बाज़ार में दरवाज़े के बन्द होने से पहले कई घटिया दर्जे के प्रोजेक्ट भी घुसने की कोशिश कर सकते हैं। इसी कारण से हम दुनिया भर के अपने मेम्बर सदस्यों को इस बात को लेकर जागरूक करेंगे कि वे सी डी एम प्रोजेक्टों पर नज़र लगाए रखें व कोई भी संदेहास्पद बातें हों तो उनको सामने लेकर आएँ। भद्र समाज की सी डी एम के प्रति बेहतर समझ भी प्रोजेक्टों को उनके जीवन काल में जॉचने परखने के लिए ज़रूरी है।

इस पहले संस्करण में हम सी डी एम में चल रहे सुधारों के प्रयत्नों को देखेंगे व यह बताएँगे कि किस प्रकार आप चर्चा का हिस्सा बन सकते हैं। हमें किस प्रकार के बदलाव उन कम करने वाले उपकरणों को बनाने में लाने हैं जिसका सीधा फायदा लोगों व मौसम को मिले। इस संस्करण में आप सी डी एम में बरबादी के विषय में, एमैज़ौन बेसिन में दो विवादास्पद हायड्रो बॉधों व पनामा की एक मूल जनजाति के जीवन मरण की जद्दोजहद के बारे में पढ़ेंगे। आप यह भी पढ़ेंगे कि क्यों सी डी एम के भविष्य में ई यू की स्थिति से फरक पड़ता है व क्यों कार्बन बाज़ार का पतन नज़दीक है।

अपने प्रसार को बढ़ाने के साथ साथ हम संचालन के कमज़ोर नियमों व तरीकों का पर्दाफाश भी करते रहेंगे व समस्याग्रस्त सी डी एम प्रोजेक्टों के खिलाफ राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर चल रहे कार्यक्रमों व अभियानों को समर्थन भी देते रहेंगे।

**यदि आप पारखी नज़र के अगले संस्करण में योगदान देना चाहते हैं या आपके पास कोई सुझाव व टिप्पणी है तो कृप्या यहॉ सम्पर्क करें antonia@cdm-watch.org**

# क्या सी डी एम का पॉलिसी डायलॉग पैनल उसे बचा सकता है?

ईवा फिलमोज़र,
डायरेक्टर, सी डी एम वॉच

courtesy: dunechaser

**सी डी एम पॉलिसी डायलॉग के शुरू होने के तीन महीने बाद उच्च स्तरीय पैनल के सदस्य मीटिंग कर रहे हैं व अपना दिमाग सी डी एम की समस्याओं जैसे उसके भविष्य की दिशा और दीर्घकालीन विकास व कम करने के प्रभाव की ओर केन्द्रित करने की कोशिश कर रहे हैं। सी डी एम वॉच ने एक ऑनलाइन परिचर्चा का मंच भी आरम्भ किया है ताकि सभी विचार, जिसमें भद्र समाज जो कि यू एन कॉन्फ्रेन्स में भाग नहीं ले रहा है, सुने जा सकें।**

पिछले साल डर्बन में सी ओ पी 17 में सी डी एम एग्ज़िक्यूटिव बोर्ड ने कोयोटो प्रोटोकॉल के सी डी एम के पुनरीक्षण के लिए व प्रणाली को आगे लेकर जाने के लिए सुझाव देने के उद्देश्य से सी डी एम पॉलिसी डायलॉग स्थापित किया था। इस वर्ष जनवरी से सितम्बर तक 12 पैनल के सदस्य कई सारे साझेदारों के साथ मिलकर परिचालन व सी डी एम के लाभों व कमियों का एक सम्पूर्ण जायज़ा लेंगे। सितम्बर 2012 में इस संदर्भ में एक अन्तिम रिपोर्ट भी पेश करने की सम्भावना है जिसमें कई महत्वपूर्ण विषयों जैसे सी डी एम के संचालन, दीर्घकालिक विकास व मानव अधिकार के मुद्दों पर सुधार के सुझाव होंगे। सम्पूर्ण सुधार की अत्यावश्यक ज़रूरत को देखते हुए उम्मीदें बहुत अधिक हैं परन्तु यह देखने वाली बात है कि पॉलिसी डायलॉग पैनल सी डी एम की सारी बीमारियों को ठीक कर पाता है या नहीं। हम इसे एक अवसर के रूप में देख रहे हैं जहाँ हमें उन कमियों को सामने लाने का मौका मिलेगा जो अभी तक राजनैतिक चुनौतियों या जनादेश की स्पष्टता में कमी के कारण सुलझ नहीं पाई हैं। सुधार के लिए सुझावों को सभी सम्बन्धित निर्णय लेने वालों को सम्बोधित करना चाहिए, जिसमें राष्ट्रीय सरकारें भी आती हैं, विशेषकर उन मुद्दों के लिए जो यू एन एफ सी सी सी के स्तर पर ठीक से सम्बोधित नहीं किए जा सकते।

## सी डी एम सुधार के सुपर हीरो?

इस वर्ष के तीन महीनों में इन क्षेत्रों में एक अनुसंधान कार्यक्रम के विषय में सहमति हुई: 1) प्रणाली के आन्तरिक काम करने के ढंग पर केन्द्र, 2) भविष्य की दिशा और 3) दीर्घकालिक विकास व कम करने का प्रभाव। साथ साथ वर्ष भर में मीटिंगों की अनुसूची पर भी सहमति हुई (कृप्या बॉक्स देखें) सी डी एम के दीर्घकालिक विकास में योगदान देने के लक्ष्य के प्रयासों के बावजूद अक्सर सी डी एम

## सी डी एम पॉलिसी डायलॉग पैनल मीटिंग अनुसूची

| | |
|---|---|
| 10 से 11 मई | साझेदारों के साथ विचार विमर्श, जापान |
| 28 से 29 मई | यू एन एफ सी सी सी समझौते के दौरान एक कार्यक्रम, जर्मनी |
| 28 से 29 मई | जॉइन्ट इम्लीमेन्टेशन सुपरवाइज़री कमेटी (जे आई एस सी) के साथ मीटिंग, जर्मनी |
| 29 मई से 1 जून | पैनल के साझेदारों के साथ मीटिंग कार्बन एक्सपो कोलोन, जर्मनी |
| 30 से 31 मई | पैनल की दूसरी मीटिंग, फैंकफर्ट,जर्मनी |
| 4 जून | दक्षिणी अफ्रीका में साझेदारों के साथ विचार विमर्श |
| 20 से 22 जून | रियो +20, ब्राज़ील में एक कार्यक्रम |
| 25 से 26 जुलाई | पैनल की तीसरी मीटिंग, दक्षिण अफ्रीका |
| टी बी सी | साझेदारों के विचार विमर्श, चीन |
| टी बी सी (जून के शुरू में) | साझेदारों के विचार विमर्श, थाइलैंड |
| टी बी सी | निजी क्षेत्र में साझेदारों के साथ विचार विमर्श, यू के |
| टी बी सी | साझेदारों के विचार विमर्श, लैटिन अमरीका |
| टी बी सी | साझेदारों के विचार विमर्श, लैटिन अमरीका |
| नवम्बर से दिसम्बर | सी ओ पी - 18, निर्णायक पैनल मीटिंग, कतार में एक कार्यक्रम |

के प्रोजेक्टों का स्थानीय समुदायों व व्यक्तियों पर गम्भीर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए हमारा मानना है कि सुधार के लिए यह बातचीत प्रभावित साझेदारों के साथ विचार विमर्श के बाद होनी चाहिए व इसमें स्थानीय समुदाय को भी प्राथमिकता मिलनी चाहिए। इन महत्वपूर्ण मीटिंगों में हम अधिक से अधिक भद्र समाज को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं ताकि उनमें केवल निजी क्षेत्र व सरकार के प्रतिनिधियों का वर्चस्व न रहे। यह आगे आकर बोलने व चर्चा में भाग लेने का अवसर है। सी डी एम के साथ होने वाले सकारात्मक व नकारात्मक अनुभवों को यहाँ पर समानता से सुनना चाहिए। यदि आप भी ऐसे ही किसी कार्यक्रम में भाग लेना चाहते हैं तो आप सी डी एम वॉच की टीम को सम्पर्क कर सकते हैं। हम अपनी ओर से यह सुनिश्चत करने का प्रयास करेंगे कि अधिक से अधिक भद्र समाज के प्रतिनिधि इसमें भाग ले सकें।

**सब अपने हाथ डेक पर रख कर तैयार रहें! आवाज़ उठाएँ व अपने विचार संसार के साथ बाँटें**

आप में से उन लोगों को शामिल करने के लिए जो किसी मीटिंग के लिए यात्रा करके वहाँ नहीं पहुँच सकते हैं व सभी को सुधार के लिए की जा रही इस बातचीत में शामिल करने के लिए हमने सी डी एम का एक ऑनलाइन परिचर्चा मंच शुरू किया है। इसका उद्देश्य इस बात का सही जायज़ा लेना है कि वास्तव में धरातल पर क्या हो रहा है व पिछले अनुभवों से क्या सीख मिली है। क्या सी डी एम ने अपने लक्ष्य पूरे किए हैं? सी डी एम वॉच का परिचर्चा मंच उसके साझेदारों जैसे प्रोजेक्ट विकासकर्त्ता, ऑडिटर, राष्ट्रीय सरकार, अन्य पॉलिसी बनाने वालों व भद्र समाज के बीच में संचार की कमी के परिणाम स्वरूप बनाया गया है। पहली बार यह नया परिचर्चा मंच पॉलिसी बनाने वालों व भद्र समाज के बीच में बातचीत कराने में व अनुभवों से सीखने और सुधार को प्रोत्साहन देने में मदद करेगा। कम करने वाले ऐसे उपकरणों को बनाने के लिए जो ठीक से काम करें व जिससे लोगों व मौसम को लाभ हो और अधिक बातचीत की आवश्यकता है। इन लाभों को प्राप्त करने के लिए हमें किस प्रकार के बदलावों की ज़रूरत है? **सभी सुझाव आमन्त्रित हैं। forum.cdm-watch पर लॉग ऑन करके अपने सुझाव छोड़ें।**

**अन्य जानकारी:**

- 50 से अधिक साझेदारों द्वारा पॉलिसी डायलॉग के लिए निवेदन: http://www.cdmpolicydialogue.org/public_input
- सी डी एम पॉलिसी डायलॉग की वेबसाइट http://www.cdmpolicydialogue.org/
- पॉलिसी डायलॉग का अनुसंधान कार्यक्रम: http://www.cdmpolicydialogue.org/research/Prov_2403.pdf

# क्षितिज पर स्थानीय चर्चा के लिए कड़े नियम

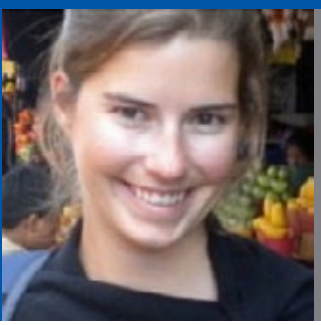

एन्टोनिया वॉर्नर, प्रोजेक्ट मैनेजर अफ्रीका व लैटिन अमेरिका, सी डी एम वॉच

wikieducator artwork by bala

**सी डी एम में जनता की एक अर्थपूर्ण भागीदारी में आने वाली बाधाओं को पहले भी कई बार सामने लाया गया है। विशेषकर स्थानीय साझेदारों से विचार विमर्श की गाइडलाइनों में तुरन्त सुधार की आवश्यकता है व इसके लिए कई विकल्प भी प्रस्तुत किए जा चुके हैं। अब और प्रतीक्षा करने की ज़रूरत नहीं है। अब काम करने का समय है।**

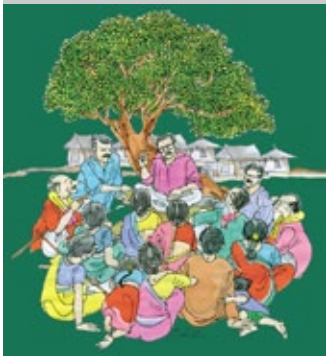

सी डी एम के नियमों के अनुसार किसी भी प्रोजेक्ट के विकासकर्त्ता को स्थानीय साझेदारों के साथ सी डी एम प्रोजेक्ट के आधिकारिक यू एन प्रमाणीकरण प्रक्रिया को आरम्भ करने से पहले विचार विमर्श करना चाहिए। हालांकि नियमों के अनुसार विचार विमर्श होना चाहिए परन्तु नियमों में यह स्पष्ट नहीं है कि यह विचार विमर्श कैसे किया जाना चाहिए। इसके साथ साथ नियमों से इस बात का स्पष्ट मार्गदर्शन नहीं मिलता कि ऑडिटरों द्वारा किस प्रकार इस विचार विमर्श का प्रमाणीकरण होना चाहिए। इसके कारण प्रोजेक्टों का पंजीकरण तो हो जाता है परन्तु सीधे प्रभावित होने वाले व्यक्तियों को सूचित नहीं किया

जाता। उदाहरण के लिए भारत में सासन कोयला परियोजना जो कि 2010 में पंजीकृत हुई थी, गॉव वालों को प्रोजेक्ट के विषय में तब पता चला जब उन्हें वहाँ से हटने के लिए कहा गया। 'कार्बन कॉन' डाक्यूमेन्टरी को देखें।

सी डी एम वॉच के पास ऐसे कई केसों की सूचना आई कि किस प्रकार स्थानीय साझेदारों के साथ विचार विमर्श किया जाता है। प्रभावित समुदायों व व्यक्तियों की शिकायतों के अनुसार इस प्रकिया में कई कमियाँ है। अक्सर उन्हीं स्थानीय साझेदारों को आमन्त्रित किया जाता है जो प्रोजेक्ट के पक्ष में होते हैं व जो ज़रूरी हैं उन्हें नहीं। कई बार केवल स्थानीय अधिकारियों को बुलाया जाता है व विचार विमर्श की सूचना स्थानीय साझेदारों के पास या तो नहीं पहुँचती या फिर बहुत देर से पहुँचती है। हमें ऐसी शिकायतें भी मिली हैं जहाँ स्थानीय विचार विमर्श के दौरान दी गई जानकारियाँ वास्तविक प्रोजेक्ट की असलियत नहीं दर्शातीं। लोगों की स्वीकृति पाने के लिए अक्सर प्रोजेक्ट विकासकर्त्ता साझेदारों के साथ विचार विमर्श की मीटिंगों में लाभ के वे वादे कर देते हैं जो बाद में पूरे नहीं हो पाते। कुछ केसों में तो उन साझेदारों को जिन्होंने टिप्पणी में आवाज़ उठाई उन्हें धमकियाँ भी मिलीं व उन्हें स्वीकृति के खाली दस्तावेज़ों पर हस्ताक्षर भी ज़बरदस्ती करने पड़े। इन उदाहरणों से यह स्पष्ट हो जाता है कि गाइडलाइनों में विशिष्टता व स्पष्टता के अभाव में सी डी एम के प्रोजेक्ट विकासकर्त्ता स्थानीय साझेदारों के साथ केवल ऊपरी तौर पर अक्षम व अपर्याप्त विचार विमर्श करते हैं।

**सी डी एम वॉच जनता की एक अर्थपूर्ण भागीदारी के लिए निरंतर लड़ता रहेगा व प्रभावित व्यक्तियों व समुदायों को अधिक अधिकार दिलाने के लिए कार्यरत रहेगा। यदि आपने भी कभी विचार विमर्श की गलत प्रकिया का अनुभव किया है तो कृप्या हमसे सम्पर्क करने से न हिचकिचाएं।**

23, 24 व 25 मार्च 2012 को यू एन एफ सी सी सी ने पहली सस्टेनेबिल डेवेलपमेन्ट मैकेनिज़्म जॉइन्ट कोओरडिनेशन वर्कशॉप का आयोजन किया। सी डी एम वॉच ने इस अवसर पर स्थानीय साझेदारों के साथ विचार विमर्श की कमियों को उजागर किया - अधिकतर भाग लेने वाले इससे पूरी तरह सहमत थे।

### यू एन के स्तर पर निम्न चरणों को उल्लेखित करने की आवश्यकता है:

- स्थानीय साझेदारों व अन्तर्राष्ट्रीय साझेदारों के विचार विमर्श पर चर्चा के लिए एक कॉन्सेप्ट नोट विकसित करना जो कि उनके विचार व पहले दर्जे की चर्चा पर आधारित हो।
- सी डी एम राउन्ड टेबल, मई 2012, बॉन में इस मुद्दे पर आगे विचार विमर्श
- सी डी एम एग्ज़िक्यूटिव बोर्ड, जुलाई 2012, बॉन, के लिए स्पष्ट सुझाव विकसित करना
- सी डी एम एग्ज़िक्यूटिव बोर्ड नियमों के दस्तावेज़ों का नवीनीकरण करेगा जिसमें प्रोजेक्ट स्टैन्डर्ड, वैलिडेशन एन्ड वेरिफिकेशन स्टैन्डर्ड होंगे, सितम्बर 2012

**अधिक जानकारी के लिए देखें:**

- वैलिडेशन की प्रकिया के लिए जनता की राय का निवेदन
- पहली सस्टेनेबिल डेवेलपमेन्ट मैकेनिज़्मज़ जॉइन्ट कोओरडिनेशन वर्कशॉप से प्रस्तुतियाँ (प्रेज़ेन्टेशन)

# ई यू की कार्बन बाज़ार पर स्थिति क्यों महत्वपूर्ण है

डियेगो मार्टिनेज़-शुएट, जूनियर पॉलिसी ऑफिसर, सी डी एम वॉच

**यूरोपीयन यूनियन (ई यू) सी डी एम में एक विशिष्ट भूमिका निभाती है: वह उसका सबसे बड़ा ग्राहक है। ई यू एमिशन ट्रेडिंग स्कीम (ई यू ई टी एस) जो कि ई यू जी एच जी एमिशन की 50 प्रतिशत है, दुनिया की सबसे बड़ी ग्रीन हाउस गैस (जी एच जी) की कैप एन्ड ट्रेड स्कीम है।**

ई यू-ई टी एस का उद्देश्य यूरोपीयन स्रावों को जी एच जी पर दाम लगा कर कम करना है व यूरोपीयन उद्योगों को कम कार्बन वाली तकनीकों में निवेश करवाना है। दुख की बात यह है कि इस प्रणाली से घरेलू कम करने के तरीके कमज़ोर पड़ जाते हैं क्योंकि ई यू उद्योगों को अपनी कमी का एक भाग उन क्रेडिटों को विकासशील देशों से सी डी एम के माध्यम से खरीदने में लगाती है। असलियत में 2005 और 2020 के बीच में ई यू की आधी स्राव कम करने की वचनबद्धता कार्बन क्रेडिट खरीदने से पूरी हो जाती है। क्योंकि ये क्रेडिट नई तकनीकों में निवेश करने से कहीं अधिक सस्ते होते हैं, करीब 80 प्रतिशत सी डी एम क्रेडिट ई यू के द्वारा ही खरीद लिए जाते हैं। इसमें वे भी शामिल होते हैं जिन पर प्रश्न चिन्ह लगा होता है क्योंकि वे उन प्रोजेक्टों के क्रेडिट होते हैं जो गैर अतिरिक्त हो सकते हैं व जिनसे ग्लोवल स्रावों की

यूरोपीयन पार्लियामेन्ट/ऑडियो विस्युअल यूनिट

मात्रा में बढ़ोत्तरी हो सकती है। सी डी एम का सबसे बड़ा ग्राहक होने के नाते ई यू सी डी एम के निर्णय लेने की प्रकिया में अहम भूमिका रखता है जिसमें उसके केडिटों की गुणवत्ता के निर्णय व भविष्य में अन्तर्राष्ट्रीय कार्बन बाज़ार को विकसित करने के निर्णय भी आते हैं।

ई यू के एजेन्डा में पर्यावरण की अखंडता प्रमुख होती है। ई यू के सदस्य देशों ने यह वचनबद्धता ले रखी है कि जो केडिट वे खरीदेंगे वे वास्तविक कमी को दर्शाएँगे व दीर्घ कालिक विकास में योगदान करेंगे। ई यू ने एक काबिले तारीफ काम यह किया है कि सभी **27** सदस्य देशों ने सी डी एम के औद्योगिक गैसों के प्रोजेक्ट (एच एफ सी **23** व एन**2**ओ एडिपिक एसिड) से मिलने वाले कार्बन केडिटों पर रोक लगा दी है। यह रोक सी डी एम वॉच की एक गम्भीर मुहिम का नतीजा थी जिसने ऐसे सबूत पेश किए जिनसे यह साबित हो गया कि सी डी एम के ये प्रोजेक्ट नकली व बढ़ा चढ़ा कर बताए गए थे। ऐसे कदम उठा कर सी डी एम ने यू एन की निर्णय लेने वाली प्रणाली को व अन्य एमिशन ट्रेडिंग स्कीमों को मज़बूत संदेश भेजे हैं। आस्ट्रेलिया व न्यूज़ीलैंड ने भी इसी रास्ते को पकड़ कर इन कार्बन केडिटों पर रोक लगा दी है।

यह इस बात का सबसे बड़ा उदाहरण है कि किस प्रकार लोगों का एक छोटा सा समूह भी मिलकर एक बड़ा बदलाव ला सकता है। इस ऐतिहासिक सफलता ने हमें भी प्रेरित किया है कि हम इस तरह की मुहिम अन्य समस्या वाले सी डी एम प्रोजेक्टों के लिए चलाएँ जैसे कि विशाल हायड्रो या कोयले से चलने वाले ऊर्जा उद्योगों के लिए। हम आशा करते हैं कि इससे हमारी अन्य मित्र संस्थाओं को भी इससे प्रेरणा मिलेगी कि वे भी अन्तर्राष्ट्रीय कार्बन बाज़ार में निर्णय लेने वाली प्रणाली पर असर डालने के प्रयासों को जारी रखें।

### सी डी एम वॉच के यूरोपीयन यूनियन पार्लियामेन्ट में सी डी एम की अखंडता पर हुए लंच डिबेट के परिणाम स्वरूप यूरोपीयन कमीशन पर दबाव।

**29** फरवरी **2012** को सी डी एम वॉच ने यूरोपीयन पार्लियामेन्ट (ई पी) में ब्रूसेल्स में एक कार्यक्रम आयोजित किया जिसका मकसद यूरोपीयन कमीशन (ई सी) की सी डी एम की अखंडता के विषय में हुए एक अध्ययन की मुख्य बातों को उजागर करना था। इस कार्यक्रम के चार मेज़बानों में यूरोपीयन पार्लियामेन्ट के वे अग्रणी सोच वाले सदस्य थे जो अलग अलग राजनैतिक समूहों के थे (कन्ज़र्वेटिव, सोशल डेमोक्रैट, ग्रीन्स व वामपंथी)। भाग लेने वालों में ई यू के निर्णय लेने वाले, सी डी एम प्रोजेक्ट विकासकर्त्ता व एन जी ओ के प्रतिनिधि थे।

यह अध्ययन यूरोपीयन कमीशन के द्वारा अधिकृत किया गया था व इसे यूरोप में नए कानून की शुरूआत करने का अधिकार प्राप्त है। हालांकि इस अध्ययन के नतीजे बहुत अच्छे थे व वे विशाल हायड्रो सी डी एम प्रोजेक्टों की गम्भीर समस्याओं को भी उजागर करते थे परन्तु जनता को इस अध्ययन के जारी होने बहुत कम जानकारी थी। इसके परिणाम स्वरूप कई लोगों को तो यह पता ही नहीं चल पाया था कि ऐसा कोई अध्ययन हुआ भी है। सी डी एम वॉच ने यह कार्यक्रम करके योजना बनाने वाले प्रभावशाली लोगों का ध्यान इस अध्ययन के नतीजों की ओर खींचा व यूरोपीयन कमीशन से इसके विषय में कुछ करने को कहा। इस तरीके ने अभी से ठोस काम दिखाने शुरू कर दिए हैं। यूरोपीयन पार्लियामेन्ट के चार सदस्यों ने यूरोपीयन कमीशन को इन तरीकों को स्पष्ट करने के लिए कहा है जिन्हें वह अन्तर्राष्ट्रीय कार्बन केडिट की पता लगी कमियों को दूर करने के लिए प्रयोग करेगा।

**अधिक जनकारी:**

सी डी एम वॉच द्वारा ई सी सी डी एम अखंडता अध्ययन की समीक्षा

सी डी एम के कोयला प्रोजेक्ट क्यों मौसम के लक्ष्य को कमज़ोर कर देते हैं' - सी डी एम की पॉलिसी का सार

'सी डी एम के हायड्रो पावर प्रोजेक्ट'- सी डी एम की पॉलिसी का सार

# सी डी एम एग्ज़िक्यूटिव बोर्ड - सी डी एम कन्ट्रोल सेन्टर से खबरें

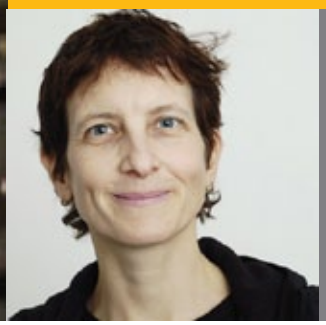

एन्जा कॉल्मस, कार्बन बाज़ार विशेषज्ञ, सी डी एम वॉच

**सी डी एम एग्ज़िक्यूटिव बोर्ड सी डी एम का निरीक्षण करता है व इसमें 10 सदस्य और 10 बारी बारी से बदलने वाले होते हैं। बोर्ड के सदस्यों के पास काफी शक्ति व प्रभाव होता हे। यू एन एफ सी सी सी सेकेटेरियट के सहायक स्टाफ के साथ ये लोग साल में करीब छह बार नई योजनाओं को तय करने के लिए व विभिन्न प्रकार के प्रोजेक्टों के नियम बनाने के लिए, नए प्रोजेक्टों के पुनरीक्षण व पंजीकरण के लिए व केडिट जारी करने को मान्यता देने के लिए मिलते हैं। इसलिए इनके कार्यों को देखना व इनकी मीटिंगों को ध्यानपूर्वक समझना बहुत ज़रूरी होता है क्योंकि इनमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाते हैं।**

मीटिंग के कुछ भाग सामान्य जनता के लिए बंद होते हैं परन्तु उनका काफी अधिक भाग इन्टरनेट पर विडियोस्ट्रीम के रूप में देखा जा सकता है ( http://cdm.unfccc.int/EB/index.html 'वेबकास्ट' पर क्लिक करें)। ये मीटिंगे काफी लम्बी होती हैं और होने वाली सभी आवश्यक बातों को समझ पाना काफी मुश्किल होता है। इसी कारण सी डी एम वॉच इन मीटिंगों का सार तैयार करता है जहॉ हम लिए गए सबसे ज़्यादा प्रासंगिक निर्णयों का विश्लेषण करके उन्हें उजागर करने का प्रयत्न करते हैं।

**2012** की पहली बोर्ड मीटिंग बॉन में फरवरी माह के अन्त में हुई थी जहॉ बोर्ड के नए सदस्यों ने **2012** व **2013** की कार्य योजनाओं पर मिल कर काम करने पर सहमति जताई थी। बोर्ड के सदस्यों की सूची व सभी दस्तावेज़ और यू एन एफ सी सी सी की मीटिंग

सी डी एम एग्ज़िक्यूटिव बोर्ड के सदस्य आई आई एस डी में

के एनेक्सेज़ आप here और here पर देख सकते हैं।

बोर्ड ने सी डी एम के दो वर्षीय बिज़नेस प्लान **2012-2013** को व सी डी एम मैनेजमेन्ट योजना **2012** (EB meeting 66, के एनेक्सचर **1** व **2** को देखें) को सहमति दी। इन योजनाओं ने यह रूपरेखा बनाई कि बोर्ड, सेक्रेटेरियट व कार्य करने वाले समूह आने वाले वर्षों में कहाँ कहाँ ध्यान केन्द्रित करेंगे। इस वर्ष के लक्ष्यों में लम्बे समय से चले आ रहे चर्चा के विषय जैसे सी डी एम की पर्यावरण अखंडता में सुधार लाना व दीर्घकालिक विकास में उसकी भागीदारी थे। उम्मीदें बहुत अधिक हैं। आप बोर्ड के **2012** के एजेन्डा के विषय में और अधिक हमारे फरवरी के न्यूज़लेटर में पढ़ सकते हैं।

## पर्यावरण अखंडता

मैनेजमेन्ट की योजना अतिरिक्तता के उपकरण में सुधार करने के विषय में पुर्वानुमान कर रही है। विशेषकर विशाल स्तर वाले प्रोजेक्टों की आधारभूत संरचना के अतिरिक्तता के मानदंडों में बहुत जल्द ज़रूरी सुधार लाने की ज़रूरत है। इस बात की बहुत कम संभावना है कि सी डी एम की विशाल स्तर वाले प्रोजेक्टों की आधारभूत संरचना सम्बंधी निवेश के निर्णयों में निर्णायक भूमिका हो। इस प्रकार के प्रोजेक्ट अक्सर सरकार की सोची समझी लम्बे समय की योजनाओं का हिस्सा होते हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के प्रोजेक्ट अक्सर लाभ पर केन्द्रित नहीं होते व केवल आर्थिक सोच ही मुख्य नहीं होती। **सी डी एम वॉच उन गैर अतिरिक्त प्रोजेक्टों की निकासी को बढ़ावा देती रहेगी जो सी डी एम के लिए ग्लोबल स्रावों को बढ़ाते हैं।**

## दीर्घकालिक विकास

बोर्ड लगातार उस कार्य के विकास के लिए काम करता रहेगा जो "सी डी एम प्रोजेक्टों व पी ओ ए के सह लाभ को उजागर करने वाले स्वैच्छिक तरीके होंगे" व साझेदारों के विचार विमर्श से सम्बंधित वर्तमान नियमों में सुधार लाएँगे ताकि "एक स्पष्ट व पारदर्शी मानदंड मिल सके जिससे प्रोजेक्ट के विश्लेषण में आसानी हो"। इन क्षेत्रों में सुधार बहुत समय से लंबित है। यह भी देखा गया है कि दीर्घकालिक विकास की ओर योगदान सबसे अच्छे समय में भी बहुत कम है। जनता की अर्थपूर्ण भागीदारी में रूकावटें अधिक हैं व शिकायतों के लिए कोई भी प्रणाली मौजूद नहीं है। अधिक जानकारी के लिए हमारा लेख देखें: क्षितिज पर स्थानीय विचार विमर्श के लिए कड़े नियम। **सी डी एम वॉच मज़बूत निरंतरता के मानदंडों व जनता की अर्थपूर्ण भागीदारी के नियमों के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेगी।**

सौजन्य से: नोशा http://www.flickr.com/photos/nosha/

# निराशाजनक भविष्य (कार्बन बाज़ार का)

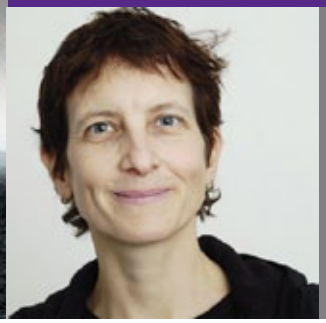

एन्जा कॉल्मस, कार्बन बाज़ार विशेषज्ञ, सी डी एम वॉच

**पिछले वर्ष डर्बन में देशों ने यह तय किया कि बाज़ार पर आधारित एक नई प्रणाली स्थापित की जाए व एक ऐसा ढाँचा तैयार हो जो नई द्विपक्षीय या स्थानीय प्रणालियों को मान्य हो। अब वे इस बात पर जोर शोर से काम में लगे हैं कि बाज़ार पर आधारित इन नई प्रणालियों के लिए कुछ नियम व संचालन के तरीके लाए जाएँ। साथ साथ बाज़ार पर आधारित दो सबसे बड़ी प्रणालियाँ, यूरोपीयन एमिशन ट्रेडिंग सिस्टम (ई यू-ई टी एस) व सी डी एम दोनो ही समाप्त होने की कगार पर हैं।**

यूरोप में आर्थिक संकट की स्थिति होने के कारण कार्बन डाय ऑक्साइड के स्रावों में नाटकीय कमी आई है। इसके परिणाम स्वरूप भत्तों की माँग कम हुई है व दाम गिरे हैं। **2011** में ई यू-ई टी एस का भत्ता कम से कम आधा कम हो कर करीब **7** यूरो हो गया। क्योंकि सी डी एम के ऑफ्सेट (सी ई आर) का सबसे बड़ा खरीददार ई यू है, इसलिए सी ई आर के दाम भी काफी अधिक गिर कर **4** यूरो के करीब आ गए हैं।

सी डी एम एग्ज़िक्यूटिव बोर्ड की पिछली मीटिंग में यू एन एफ सी सी सी सेक्रेटेरियट ने उम्मीद के विपरीत काफी आशावादी प्रेज़ेन्टेशन कार्बन बाज़ार की स्थिति presentation on the state of carbon markets. के ऊपर प्रस्तुत किया था। इसमें ई यू-ई टी एस के भत्तों व सी डी एम केडिट के दामों में गिरावट की कोई चर्चा नहीं थी। यह स्पष्ट नहीं है कि क्यों सेक्रेटेरियट व सी डी एम बोर्ड बाज़ार की वर्तमान स्थिति व सी डी एम पर उसके प्रभावों के बारे में खुल कर चर्चा करने से बच रहे हैं। पिछले साल के कार्बन के दामों में कमी व अनुमानित ऑफ्सेटों की अधिकता को देखते हुए यह नहीं लगता कि सी डी एम का भविष्य बहुत सुनहरा रहेगा। कुछ विशेषज्ञ तो कार्बन बाज़ारों के सम्पूर्ण समापन का पूर्वानुमान भी लगा रहे हैं (जैसे कि टौमस वायन की प्रस्तुति Demand versus Supply - The future of Carbon Markets.)

केडिट के लिए मॉग में कमी का कारण यह हो सकता है कि कई देशों ने कमी करने की कमज़ोर प्रतिज्ञा ले रखी हैं। उन्हें अपनी प्रतिज्ञा को पूरा करने के लिए ज़्यादा केडिटों की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी। तो यदि मौजूदा केडिटों के लिए ही मॉग नहीं होगी, तो नई बाज़ार पर आधारित प्रणाली के माध्यम से केडिट कौन खरीदेगा? कुछ लोगों का मानना है कि बाज़ार पर आधारित नई प्रणालियॉ देशों को और अधिक कड़ी प्रतिज्ञाएँ लेने को प्रेरित करेंगी क्योंकि वे उन्हें कम दाम वाले बाज़ार पर आधारित केडिटों से पूरा कर सकते हैं। परन्तु यदि वैसे ही सस्ते केडिटों की आपूर्ति ज़्यादा है तो देश अपनी प्रतिज्ञाओं को बढ़ा क्यों नहीं रहे हैं? इसके साथ साथ यह सब करने में व नई प्रणालियों को ठीक से काम करने में कई वर्षों का समय लग सकता है। यदि हम **2020** तक इस बात का इन्तज़ार करते रहें कि कमी के लिए कार्य किया जाएगा तो कहीं किसी बड़ी आपदा को रोकने के लिए बहुत देर न हो जाए।

मौसम में बदलाव के विनाशकारी नतीजों से बचाव की खिड़की बहुत तेज़ी से बन्द होती जा रही है। कई अध्ययनों के आधार पर कहा जा सकता है कि वर्तमान प्रतिज्ञाएँ न केवल ताप को **2** डिग्री सेन्टीग्रेड से कम रखने में नाकामयाब हैं परन्तु वे सर्पलस अलाउन्स (ए ए यू) जैसे बचाव के रास्तों से पहले कोयोटो प्रोटोकॉल की अवधि से (जिसे सामानय भाषा में 'हॉट एयर' भी कहते हैं) के द्वारा सारी वर्तमान प्रतिज्ञाओं को किनारे करके विकसित देशों को अपने कमी के लक्ष्यों को पूरा करने व रोज़मर्रा की तरह व्यापार चालू रखने में कामयाब करती रहेंगी। अब हम स्रावों की एक ऐसी राह पर हैं जहॉ से **4** डिग्री या उससे अधिक का ताप हो सकता है। इसके साथ साथ केवल **2** डिग्री की बढ़ोत्तरी के प्रभावों को ही अब ऊपर की ओर बढ़ा कर 'भयंकर' व 'अत्यधिक भयंकर' का दर्जा दे दिया गया है। तापमान की बढ़ोत्तरी को **2** डिग्री सेन्टीग्रेड तक बनाए रखने के लिए सभी देशों से आगे आने वाले समय में अपनी प्रतिज्ञाओं व महत्वाकांक्षाओं को ऊपर उठाना होगा।

यदि इस दिशा में इसी प्रकार की बेफिक्री चलती रही तो मौसम में बदलाव की गम्भीर चेतावनी की सभी देश अनदेखी करते रहेंगे। सैद्धान्तिक रूप में अमीर देशों को अभी इसी वक्त से अपने कम करने की प्रतिज्ञा में बढ़ोत्तरी को उल्लेखनीय ढंग से लेना होगा।

# सी डी एम में भट्टी व गढढे भराव: न चिरस्थायी न अतिरिक्त

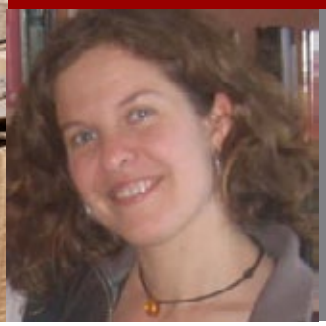

मारियल विलेला, क्लाइमेट पॉलिसी कैम्पेनर, ग्लोबल एलायेन्स फॉर इनसिनेरेटर ऑलटरनेटिव्स (जी ए आई ए)

**अब यह समझने का समया आ गया है कि केवल सी डी एम से ही बंजर क्षेत्र के प्रोजेक्टों की पर्यावरण अखंडता नहीं बनी रह सकती और न ही उसके द्वारा सामाजिक नुकसान को खत्म किया जा सकता है। उन प्रोजेक्टों को सहारा देने की बजाय जिनसे नकारात्मक सामाजिक व पर्यावरण के नतीजे निकलते हों, सी डी एम को अब उन प्रोजेक्टों को सी ई आर देना बन्द करना चाहिए जो ठोस कूड़े को निष्कासित करने के लिए भट्टी और गढढों के भराव का उपयोग करते हैं।**

पिछले कुछ वर्षों में, ठोस कूड़े का प्रबन्धन या सॉलिड वेस्ट मैनेजमेन्ट (एस डब्लू एम) बहुत तेज़ी से विकास की साफ प्रणाली या क्लीन डेवेलपमेन्ट मेकेनिज़म (सी डी एम) का सबसे अधिक समस्याग्रस्त क्षेत्र बनता जा रहा है। एस डब्लू एम से कई अन्य मुद्दे भी खड़े हो जाते हैं जैसे कि शहरों में रहने वाले गरीबों का और अधिक गरीब होते जाना, रीसायक्लिंग या पुर्नचक्रण के साथ बहत ज़्यादा प्रतिस्पर्धा व अतिरिक्तता में कमी।
जी ए आई ए से किए गए अध्ययनों Case studies के आधार पर पता चलता है कि इस क्षेत्र में सी डी एम के हस्तक्षेप से भले से ज़्यादा नुकसान ही हो रहा है। विशेषकर सी डी एम द्वारा जारी सी ई आर वास्तविक कमी को बिल्कुल भी नहीं दर्शाते।

## गरीबों का विस्थापन

सी डी एम के एस डब्लू एम के प्रोजेक्टों का सबसे उल्लेखनीय प्रभाव पुर्नचक्रण के अनौपचारिक क्षेत्र के विस्थापन के रूप में हुआ है। जो देश सी डी एम प्रोजेक्टों के लिए तैयार हैं वहॉ म्यूनिसिपैलिटी के द्वारा चलाए जा रहे पुर्नचक्रण के तरीके बहत कम दिखाई देते हैं परन्तु वहॉ पुर्नचक्रण बहत ज़्यादा होता है जिसका श्रेय कूड़ा बटोरने वाली एक अच्छी पुर्नचक्रण प्रणाली को जाता है। कूड़ा बटोरने वाले कूड़े में से पुर्नचक्रित होने के लायक सामान को खोजकर साफ करते हैं व उसकी छँटाई आदि

gaia

**GAIA**

जी ए आई ए **600** से अधिक ज़मीन से जुड़े समूहों, गैर सरकारी संस्थानों व व्यक्तियों का **93** से अधिक देशों में फैला हुआ एक विश्वव्यापी गठबंधन है जिसका चरम लक्ष्य एक ऐसे संसार को बनाना है जो न्याय संगत, विष मुक्त व बिना जला हुआ हो

www.no-burn.org

करके बिचौलियों के माध्यम से उसे फिर से निर्माणकर्त्ता तक पहुँचाते हैं। ऐसा करने से वह समाज की तीन प्रकार से मदद कर रहे हैं: म्यूनिसिपैलिटी की कूड़ा प्रबन्धन की लागत में कमी आती है, ग्रीन हाउस गैस व ज़हरीले प्रदूषण में काफी कमी आती है और भारी संख्या में शहरों में रहने वाले गरीब जो वैसे शायद बेकार रह जाते उन्हें रोज़ी रोटी का साधन मिल जाता है। ।

दिल्ली का तीमारपुर-ओखला प्लांट यह दिखाता है कि किस तरह पुर्नचकण की अर्थव्यवस्था को सी डी एम की भट्टी वाले प्रोजेक्टों के कारण खतरा है। यह भट्टी सूखे कूड़े जैसे कागज़, प्लास्टिक गत्ते की तरह अच्छी तरह जलने वाले व देर तक जलते रहने वाली सामग्री पर निर्भर है। हालांकि यह बिल्कुल वही सामग्री होती है जो पुर्नचकण करने वालों को चाहिए होती है और जिनसे वे अपनी रोजी रोटी कमाते हैं।

## विकृत प्रलोभन

सी डी एम के द्वारा बनाए गए विकृत प्रलोभन एक बहुत बड़ी समस्या हैं। गढढों (जिनमें जैविक कूड़ा भरा जाता है) या फिर जितना कूड़ा जलाया गया उसमें पाई जाने वाली मिथेन गैस की मात्रा के अनुपात में विकास की साफ प्रणाली (सी डी एम) के द्वारा कार्बन केडिट प्रदान किए जाते हैं। तो जितना अधिक कूड़ा गढढे में भरा जाएगा या फिर भट्टी में जलाया जाएगा उतना अधिक मुनाफा होगा। यह चलाने वालों के लिए कूड़ा निष्कासन करने का बहुत बड़ा प्रलोभन है न कि कूड़े का पुर्नचकण करने का।

यह मुद्दा गढढे भरने के गैस प्रोजेक्टों के संदर्भ में और भी अधिक समस्याजनक है क्योंकि उसमें से मिथेन लीक होती है। डर्बन, दक्षिण अफीका, के बिसासर लैंड फिल में उत्पन्न होने वाली 60 प्रतिशत से अधिक मिथेन वातावरण में विलीन हो रही है, जैसा कि जी आई ए के अध्ययन से पता चला है। गढढों से मिलने वाली मिथेन के बदले केडिट देने से उन्हें भरने में बढोत्तरी हो रही है और आशा है कि इससे पूरी मिथेन के बनने व लीकेज में भी काफी बढोत्तरी होने की संभावना है। बेहतर तरीके जिनसे मिथेन के स्राव नहीं होते जैसे कि स्रोत पर कूड़ा अलग करना या खाद बनाना फिर प्रतिबन्धित हो जाते हैं।

## सामान्य व्यापार के लिए कार्बन केडिट

सी डी एम के अर्न्तगत म्यूनिसिपल सॉलिड वेस्ट (एम एस डब्लू) प्रोजेक्टों की अतिरिक्तता पर प्रश्न चिन्ह लगा हुआ है। सी डी एम के सभी क्षेत्रों में से कूड़ा प्रबन्धन को मिलने वाले सी ई आर को जारी करने की दर सबसे कम होती है। इसका अर्थ हुआ कि निवेशकों को अनुमानित सी ई आरों से कम मिलने की उम्मीद होती है। इसलिए होशियार कम्पनियाँ लाभ के लिए सी ई आर से मिली आय पर निर्भर नहीं होंगी। इसका तार्त्य यह हुआ कि जो प्रोजेक्ट आगे जाते हैं वह वे होते हैं जो सी डी एम या उसके बगैर भी चलेंगे इसलिए वे सामान्य व्यापार में आते हैं।

यह शक चीन से आया है क्योंकि वहाँ सी डी एम पंजीकृत कम से कम पाँच भट्टियाँ पंजीकृत होने से कहीं पहले से चालू थीं व उनमें काम चल रहा था। उदाहरण के लिए चेंग्दू लुओ दाई भट्टी सी डी एम की मंजूरी के दो वर्ष पहले से चल रही थी। उसके सामाजिक, पर्यावरण के व जनता के स्वास्थ्य सम्बंधी प्रभाव पहले से स्थानीय समाज द्वारा नकारे जा चुके थे। इस क्षेत्र से कम से कम 70 से 80 परिवारों को छोड़ कर जाना पड़ा है क्योंकि वह भट्टी के प्रदूषण को सहन नहीं कर पाए।

उन प्रोजेक्टों को मंजूरी देकर जो वैसे भी चालू हो जाते (या हो ही चुके थे), सी डी एम ऐसे सी ई आर प्रदान कर रहा है जो स्रावों में कमी को नहीं दिखाते।

**दिल्ली के इन कूड़ा बटोरने वालों ने तीमारपुर ओखला प्रोजेक्ट के शुरू होने के साथ ही उसके खिलाफ एक गैर कानूनी लड़ाई चला रखी है। कई सारे प्रदर्शन व रैलियों के माध्यम से दिल्ली के करीब 100000 कूड़ा बटोरने वालों की स्थिति की ओर ध्यान आकर्षित किया जा रहा है जिनकी रोज़ी रोटी वास्तव में इस भट्टी में जल जाएगी।**

चित्र: दिल्ली में यू एन का कार्यकम
विवरण: नई दिल्ली, 20 अक्टूबर 2011- कूड़ा बटोरने वालों के करीब 300 से अधिक प्रतिनिधियों, संस्थाओं, नागरिकों के समूहों, पर्यावरण संस्थाओं व रेसिडेन्ट वेलफेयर ऑरगेनाइज़ेशनों ने सी डी एम द्वारा चलित भट्टियों को मौसम अनुदान देने को समाप्त करने की माँग की।

जी ए आई ए के सौजन्य से

### सी डी एम के सहारे वाले कूड़े के प्रोजेक्ट

सी डी एम के अधिकतम म्यूनिसिपल सॉलिड वेस्ट (एम एस डब्लू) **के प्रोजेक्ट गढढे भरकर गैसों को पकड़ कर रखने वाले प्रोजेक्ट** हैं जो इन गढढों के भीतर पैदा होने वाली मिथेन गैस को या तो जला देते हैं या भड़का कर फैला देते हैं।
दूसरा बड़ा दर्जा **कूड़े की भट्टियों** का है। इनका दावा है कि कूड़े को जला कर ये ऊर्जा बनाती हैं परन्तु तथ्य यह है कि विकासशील देशों में कूड़ा गीला व जैविक अधिक होता है जो ठीक से जल नहीं पाता व उसमें डीज़ल या कोयला डालना ही पड़ता है। यह फिर एक बार उनके फॉसिल ईंधन ऊर्जा को विस्थापित करने पर प्रश्न चिन्ह लगा देता है।

**अधिक जानकारी:**

- द यूरोपीयन यूनियनज़ डबल स्टैन्डर्डज़ ऑन वेस्ट एन्ड क्लाइमेट पॉलिसी (The European Union's Double Standards on Waste and Climate Policy) ग्लोबल एलायन्स फॉर इनसिनेरेटर ऑल्टरनेटिव्स, 2011
- जी ए आई ए द्वारा सी डी एम एग्ज़िक्यूटिव बोर्ड के पास जमा किए गए पॉलिसी के दस्तावेज़ (Policy Documents submitted to the CDM Executive Board )

एमेज़ॉन की नदियों का मानचित्र इन्टरनैशनल रिवर्स के सौजन्य से

# एमेज़ॉन की बिक्री: विवादित बाँधों के लिए ब्राज़ील कार्बन केडिट की खोज में

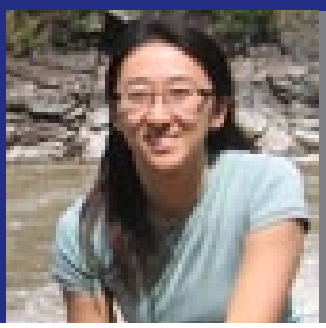

केटी यैन, चीन की प्रोग्राम कोओरडिनेटर, इन्टरनैशनल रिवर्स

**2012 के बाद पंजीकृत हुए नए सी डी एम प्रोजेक्टों के लिए ई यू ने यह तय किया है कि वह कार्बन केडिट केवल तभी खरीदेगा जब वे प्रोजेक्ट सबसे कम विकसित देशों (एल सी डी) में स्थित होंगे। इसलिए इस वर्ष कार्बन केडिटों के लिए आवेदन करने वाले देशों में ब्राज़ील, भारत, चीन जैसे देशों के प्रोजेक्टों मे बढ़ोत्तरी देखी गई है क्योंकि 2013 के बाद यह देश न तो नए प्रोजेक्ट पंजीकृत करा पाएँगे और न ही यूरोपीयन यूनियन की एमिशन ट्रेडिंग स्कीम (जो दुनिया का सबसे बड़ा कार्बन बाज़ार है) के तहत केडिट बेच पाएँगे।**

इन देशों के द्वारा योग्यता के अन्तिम वर्ष में महसूस की गई बेसब्री का एक जल्दी दिखाई देने वाला संकेत यह है कि ब्राज़ील के दो स्पष्ट रूप से अतिरिक्त व बहुत ही विवादास्पद हायड्रो पावर प्रोजेक्ट सी डी एम की पाइपलाइन में हैं। **3150** मेगावॉट का **सेन्टो एन्टोनियो हायड्रो पावर प्रोजेक्ट ऑन द मैडेरिया रिवर व 1820** मेगावॉट का **टेलेस पार्यस डेम इन द तापाजोस बेसिन** वर्तमान में सी डी एम के माध्यन से कार्बन केडिट हासिल करना चाह रहे हैं। दोनों को ही लगातार स्थानीय व राष्ट्रीय विरोध का सामना करना पड़ रहा है। यदि दोनों पंजीकृत हो जाते हैं तो उनके कार्बन केडिट को खरीदने वालों को **76** मीट्रिक टन कार्बन डाय ऑक्साइड के बराबर के स्रावों को अगले दस वर्षों में मुक्त करने की अनुमति मिल जाएगी (जो कि कोयले से चलने वाले **16** पावर प्लांटों के बराबर है)।

**सेन्टो एन्टोनियो और टेलेस पार्यस: कई पहलुओं में प्रोजेक्टों में समस्या है**

भद्र समाज के समूहों ने वैलिडेटर को पत्र भेजे हैं, पेरी जॉनसन जो कि कार्बन एमिशन सर्विसेज़ (जो कि दोनों प्रोजेक्टों का पुनरीक्षण करेगी) के रजिस्ट्रार हैं उन्होंने निम्नलिखित चिंताएँ व्यक्त की हैं:

**दोनों प्रोजेक्ट ब्राज़ील के कानून व मानवाधिकार से सम्बन्धित और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अन्तर्राष्ट्रीय समझौतों का उल्लंघन करते हैं:** ब्राज़ील के भद्र समाज के समूहों ने सेन्टो एन्टोनियों के खिलाफ कई दीवानगी के मुकदमे दायर किए हैं जो कि प्रोजेक्ट को खड़ा करने के लाइसेंस की वैधता पर सवाल उठाते हैं। **26** मार्च **2012** को ब्राज़ील के एक फेडेरल जज ने यह निर्णय दिया कि टेलेस पार्यस को खड़ा करने का लाइसेंस अवैध (invalid) था क्योंकि इसके संदर्भ में पहले से कोई भी स्वतन्त्र, पूर्वनियोजित व ज्ञात विचार विमर्श नहीं किए गए।

**दोनों प्रोजेक्टों के व्यापक पर्यावरण को नष्ट करने वाले व अपरिवर्तनीय सामाजिक दुश्प्रभाव हो सकते हैं:** सेन्टो एन्टोनियो बाँध से पहले ही नदियों के पास रहने वाले लोगों के जीवनयापन व संस्कृतियों को, जनजातियों को, शहर के लोगों व खेतीहर परिवारों को कई अपरिवर्तनीय नुकसान हो चुके हैं। यह समस्याएँ दिन प्रतिदिन और अधिक खराब होती जा रही हैं। सी डी एम का काम दीर्घकालीन विकास को बढ़ावा देना है परन्तु यह प्रोजेक्ट स्पष्ट तौर पर विनाशकारी विकास का उदाहरण है। तेंतीस ब्राज़ील व अन्तर्राष्ट्रीय भद्र समाज के समूहों ने एक ज्ञापन (submission) पर हस्ताक्षर करके उसे पेरी जॉनसन रजिस्ट्रार को सौंपा है। दिसम्बर **2011** में स्वदेशी नेताओं ने ब्राज़ील की सरकार को एक पत्र (letter) भेज कर उसके माध्यम से टेलेस पायर्स बाँध के पर्यावरण लाइसेंस प्रणाली को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है।

INTERNATIONAL RIVERS
people • water • life

इन्टरनैशनल रिवर्स एक पर्यावरण व मानवाधिकार संस्था है जिसका स्टाफ चार महाद्वीपों में काम करता है। दो दशकों से भी अधिक से हम नदियों व उन पर निर्भर समुदायों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए चल रही अन्तर्राष्ट्रीय जद्दोजहद के बीच में एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। केटी का ब्लॉग है:
Katy blogs at:
www.internationalrivers.org/en/blog/katy-yan.

**यदि ये प्रोजेक्ट पंजीकृत होते हैं तो इसके कार्बन केडिटों को खरीदने वालों को अगले 10 वर्षों में 76 मीट्रिक टन कार्बन डाय ऑक्साइड के बराबर के स्राव निकसित करने की अनुमति होगी:** सी डी एम के सभी प्रोजेक्टों को यह सिद्ध करना होता है कि उनका निर्माण बगैर कार्वन केडिट के माध्यम से धन लिए संभव नहीं था (कहने का तात्पर्य यह है कि वे 'अतिरिक्त' हैं)। हालांकि सेन्टो एन्टोनियो प्रोजेक्ट एक सामान्य व्यापार वाला प्रोजेक्ट है जो पहले से ही काम कर रहा है(operational), जिसका अर्थ है कि यदि वह पंजीकृत होता है तो विकसित देशों को अपने लक्ष्यों से अधिक स्राव निष्कासित करने की अनुमति है व इसके लिए विकासशील देशों को उसके बराबर के स्रावों को कम करने की आवश्यकता नहीं है। दोनों प्रोजेक्टों को पहले से ही अच्छा ख़ास पैसा ब्राज़ीलियन नैशनल डेवेलपमेन्ट बैंक, ऊर्जा कम्पनी इलेट्रोब्रास, स्टेट पेन्शन फन्ड से मिल चुका है।

**दोनों प्रोजेक्ट नेट कार्बन स्राव निष्कासित करने वाले हैं व इनके द्वारा ऐमेज़ॉन नदी में कार्बन का महत्वपूर्ण सिंक नष्ट होता है:** सी डी एम का उद्देश्य मौसम के पक्ष की तकनीकों को फैलाना है। हालांकि अनुसंधानों (researchers) से पता लगा है कि बाँधों से निकलने वाली मिथेन मानव द्वारा मौसम में परिवर्तन के लिए करीब 4 प्रतिशत ज़िम्मेवार है, यह विशेषकर ट्रौपिक्स वाले क्षेत्रों के बाँधों के लिए जहां स्राव सबसे अधिक होते हैं अधिक महत्वपूर्ण है। दोनों प्रोजेक्ट के विकासकर्त्ताओं के अनुसार प्रोजेक्ट से शून्य ग्रीन हाउस गैसों का निष्कासन होगा जो कि वर्तमान अनुसंधान (current research) के नतीजों से एकदम अलग है। सेन्ट एन्टोनियो के निर्माण के कारण बढ़ते हुए विस्थापन व ज़मीन के लिए अनुमानों के कारण ऐमेज़ॉन के रेन फॉरेस्ट भी कटने लगे हैं। टेलेस पायर्स बाँध पानी के माध्यम से एक औद्योगिक रास्ता खोल रहा है जिससे निर्यात में बढ़ोत्तरी बड़े स्तर पर सोयाबीन की खेती के कारण होने की संभावना है। इससे सिरैडो व ऐमेज़ॉन के रेन फॉरेस्ट का कटान होगा। ऐमेज़ॉन रेन फॉरेस्ट कार्वन के भंडारीकरण व अर्न्तराष्ट्रीय मौसम प्रणाली में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सी डी एम बरसों से उन विकासकर्त्ताओं से शोषित रहा है जिन्होंने इन केडिटों का इस्तेमाल करके उन प्रोजेक्टों को सजाया है जो कि पहले से ही बनाए जा चुके थे व जिनके लिए धन की आपूर्ति भी हो चुकी थी। पर्यावरण की अखंडता को और मज़बूत नियमों को स्थापित करने की बजाय जिनसे टेलेस पायर्स व सैन्टो एन्टोनियो जैसे बाँधों को बनाने से रोका जा सकता था पिछले वर्ष सी डी एम एग्ज़िक्यूटिव बोर्ड ने खतरों पर आधारित तरीकों में जाने का निर्णय लिया ताकि इन निवेदनों को पूरा किया जा सके। इन खतरों पर आधारित तरीकों से बोर्ड केवल मौके पर जाकर चेक कर सकता है न कि प्रत्येक प्रोजेक्ट का अलग अलग विश्लेषण जिससे खतरनाक प्रोजेक्टों की पहचान करना व उन्हें हटाना और भी मुश्किल हो गया है।

## हमें आवाज़ उठाने की आवश्यकता है!

इस वर्ष भद्र समाज के लिए यह और भी आवश्यक हो गया है कि वे सी डी एम की परिचर्चा में भाग लें ताकि खतरनाक प्रोजेक्ट किसी भी तरीके से बच कर निकल न सकें।

विशिष्ट सी डी एम प्रोजेक्ट पर जहाँ आपके पास उन प्रोजेक्टों के प्रभाव व अतिरिक्ता के विषय में सही व ज़मीन से जुड़ी जानकारी हो अपनी टिप्पणी भेजते रहें। हायड्रो पावर प्रोजेक्टों से जुड़े भद्र समाज की टिप्पणियों का संग्रह आप यहाँ देख सकते हैं: http://www.internationalrivers.org/cdm_comments/date

सी डी एम वॉच के नए ऑनलाइन परिचर्चा मंच पर पॉलिसी डायलॉग से जुड़ें यहाँ पर: http://forum.cdm-watch.org

सी डी एम के विचाराधीन प्रोजेक्टों के विषय में नवीनतम जानकारी छडं द्वातच्ह'ः ण्एतद्धेरक की ई मेल सूची व 'इन्टरनैशनल रिर्वस' सी डी एम तहायड्रो लिस्ट (katy@internationalrivers.org से जल्द सम्पर्क किया जा सकेगा) से प्राप्त करें।

तपाजोस महानदी, जो कि ऐमेज़ॉन की उपनदी है, पर कई सारे बाँध बनाने की योजना चल रही है। ये बाँध राष्ट्रीय पार्कों, रिज़र्वों व मूल ज़मीनों पर जल भराव कर देंगे। इन्टरनैशनल रिवर्स के सौजन्य से।

मैडेरिया नदी की जैव विविधता सेन्टो एन्टोनियो बाँध से खतरे में है - निर्माण कार्यों के दौरान ही करीब 11 टन मछलियों की मृत्यु हो गई थी।

**अधिक जानकारी:**

- सेन्टो एन्टोनियो प्रोजेक्ट पर टिप्पणियाँ
- टेलेस पार्यस प्रोजेक्ट पर टिप्पणियाँ

# बारो ब्लैंको सी डी एम प्रोजेक्ट - शांति की राह का रोड़ा

ऑस्कर सोगनदेयर्स, प्रवक्ता असोसिएशन एम्बिनटेलिस्टा दे चिरिक्वी

http://chiriquinatural.blogspot.com/

हायड्रो बाँधों के लिए इन्कार, खनन के लिए इनकार

**पनामा के एतिहासिक आन्दोलनों के स्थान पर तबासारा पुल के नीचे से काफी पानी बह चुका है। बारो ब्लांको सबसे नया बाँध है जो इस एतिहासिक नदी जिसका नाम उनके स्पैनिश लोगों के साथ हुए आन्दोलनों में उनके स्वदेशी नेता नगाबे के नाम पर पड़ा है। नगाबे व उनका आन्दोलन 10 अप्रैल से चला आ रहा है व अभी तक उनकी जद्दोजहद अपने अधिकारों व संसाधनों की सुरक्षा के लिए चल रही है। उनकी मर्जी के खिलाफ जितनी भी सुविधाएँ दी गई उन्हें रद्द करना होगा जिसमें कि विवादास्पद बारो ब्लांको हायड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट भी है।**

पनामा के लोगों के सबसे बड़े मूल समूह नगाबे बूगले ने इस वर्ष के आरम्भ में सड़कों पर उतर कर उनकी मर्ज़ी के खिलाफ दी जा रही सभी सुविधाओं को रद्द करने की जिसमें विवादास्पद बारो ब्लांको प्रोजेक्ट भी आता है, उसकी माँग की। इस आन्दोलन ने जिसने पैन अमरीकन हाइवे को एक सप्ताह तक जाम रखा उस बात को लेकर तब भड़का जब नेताओं ने प्रस्तावित कानून 415 के आर्टिकल 5 को नामंजूर कर दिया जो कि पहले से तय था व जिसमें यह कहा गया था कि कोमारका नगाबे बूगले के भीतर आने वाले सभी खनन व हायड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्टों पर रोक लगा दी जाएगी।

राष्ट्रपति मार्टिनेली का नगाबे के शांतिपूर्ण आन्दोलनकारियों को क्रूरता से दबाए जाने के फलस्वरूप तउनमें से तीन की मृत्यु हो गई व सौ से अधिक घायल भी हुए। संचार के माध्यमों को काट दिया गया व मानवाधिकारों का उल्लंघन हुआ। अल्पव्यस्कों को पीटा गया व हथकड़ी लगाते समय मिर्चों से प्रताड़ित किया गया। पुलिस ने अस्पतालों में जा जाकर घायलों को उठाया। रोकी गई नगाबी महिलाओं के साथ पुलिस के द्वारा रेप होने की भी रिपोर्ट आई जिसमें एक 13 वर्षीय अल्पव्यस्क लड़की भी थी। देखें: फाइनल रिपोर्ट ऑफ ह्यूमन राइट्स फैक्ट फाइन्डिंग मिशन।

सरकार व नगाबे बूगले के बीच में हुए शांतिपूर्ण समझौते का अन्त हुआ और दोनों के बीच एक मध्यस्थता का रास्ता अपना कर एक विशेष कानून 11 बनाया गया जो अप्रैल से लागू हुआ है। यह नया कानून खनन पर दी जाने वाली सुविधाओं को नकारता है व भविष्य में खनन पर रोक लगाता है। इसमें यह भी कहा गया है कि भविष्य के हायड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट जिनकी सरकार योजना इस क्षेत्र में बनाएगी उन्हें मूल प्राधिकारियों व क्षेत्र के रहने वालों का मत संग्रह व अनुमोदन लेना पड़ेगा। नगाबे बूगले को प्रोजेक्ट की वार्षिक आय में से 5 प्रतिशत भी दिया जाएगा। हालांकि अब भी विवादास्पद बारो ब्लांको बाँध का काम आगे बढ़ेगा व पहले से दिए जा चुके हायड्रो डेम कन्सेशन रद्द नहीं किए जाएँगे। प्रोजेक्ट के ई आई ए का पुनरीक्षण करना गतिरोध को तोड़ने के लिए तय किया गया।

मैंने धरती से जुड़े लोगों की एक मीटिंग केसीके (प्रधान) सिल्विया कैरेरा के साथ इस समझौते को समझाने के लिए की। मैं उन गैर नगाबे 'सूलिया' लोगों में से था जिन्हें इसकी अनुमति मिली थी। इसकी प्रतिक्रिया उतनी अच्छी भी नहीं थी। सबसे ज़्यादा असहमति नगाबे के मध्य में ही थी। लोगों का कहना था कि उनकी कुर्बानियों के लिए केवल 5 प्रतिशत की रॉयलटी बहुत ही कम है व इस पर पूरी तरह से रोक लगनी चाहिए। कैसिका की टीम का कहना था कि भविष्य के सभी प्रोजेक्टों को विचार विमर्श के बाद ही सर्व सम्मति से पास किया जाएगा। वक्ताओं ने बारी बारी से अपने विपक्ष के विचार व्यक्त किए व अन्त में विश्वास मत दे ही दिया। कैरेरा ने समझाया कि बारो ब्लैंको के साथ बातचीत की प्रकिया अटक गई थी व उसमें कानून को हस्तक्षेप करने की आवश्यकता थी। कम्पनी ने अभी तक प्रोजेक्ट का 20 प्रतिशत पूरा भी कर लिया है। प्रोजेक्ट को अस्थाई रूप से 28 अप्रैल 2012 से बन्द कर दिया जाएगा व यह समझौता लागू रहेगा कि स्वतन्त्र रूप से विशेषज्ञ आकर प्रोजेक्ट से सम्बन्धित

पनामा शहर में क्षेत्रीय केसीके क्लीमेन्टिना पेरेज़ विरोध

कैसीके सिल्विया करेरा कानूनी प्रस्ताव के साथ

© diagonalperiodico.net पर

विभिन्न अनियमितताओं का विश्लेषण करेंगे। हालांकि हमें पता है कि सरकार का इरादा प्रोजेक्ट को आगे ले जाने का है।

**259** हेक्टेयर के बारो ब्लांको बॉध का जलाशय तबासारा नदी के तटों को रूके हुए पानी से भर देगा जिसके कारण यहॉ मौजूद कोलम्बिया पूर्व की सभ्यता के जादुई चिन्हों के अवशेष जैसे कि प्राचीन शिलालेख हमेशा के लिए डूब जाएँगे। नदी के तटों पर रर्म णीक **50** हेक्टेयर के जंगलों के कटने और कम्पनी के द्वारा पुनरोपण के लिए तय की गई ज़मीन पर भी दुश्प्रभाव देखने को मिलेगा। कम्पनी यहॉ पर गैर मूल की प्रजातियॉ, जो कि व्यवासायिक ज़्यादा हैं, जैसे कि सागौन व चीड़ के पेड़ों को लगाएगी। दुर्भाग्य से इस ट्रौपिकल वन के कटने से यहॉ की उभयचारी प्रजातियों के भी विलुप्त होने का खतरा हो जाता है जैसे की तबसारा रेन फ्रॉग। ई आई ए में इस बात का कोई भी ज़िक नहीं है। तबासारा नदी के तट पर मेरी पिछली यात्रा के दौरान, साइकेड का मधुर संगीत वातावरण में गूँज रहा था व उसके विशालकाय पत्थरों से टकराते हुए जल की शान्त व संगीतमय धुन मुझे अभी तक याद है। जीवन की यह धुन अब इसके बाद शान्त हो जाएगी और कभी सुनने को नहीं मिलेगी। इस प्रोजेक्ट के बनने के साथ ही जीवन की अन्तिम आवाज़ भी बन्द हो जाएगी।

कोलम्बिया पूर्व की एक पत्थर का स्थल जो ई आई ए में सूचिग्रस्त नहीं है व जिसे बारो ब्लांको प्रोजेक्ट से बाढ ग्रस्त होने का खतरा है। निर्देशांक **8**।**24804481**।**615833** कोमारका नगावे बूगले
ऑस्कर सोगनदेयर्स के सौजन्य स © *Courtesy: Oscar Sogandares*

The Tabasara River
*Courtesy: Oscar Sogandares*

## बारो ब्लांको के तथ्य व ऑकड़े

बारो ब्लांको **28.8** मेगावॉट का तबासारा नदी पर बना हुआ एक हायड्र ो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट है। इसके मालिक लुई कैफी हैं जो कि होन्ड्यूरा में विद्युत क्षेत के एक नामी व्यवसायी हैं जहॉ वे उसकी **30** प्रतिशत ऊर्जा उत्पन्न करते हैं व उनके खिलाफ कई पर्यावरण सम्बंधी शिकयतें भी दर्ज हैं। इसे वित्त जर्मनी के यूरोपीयन बैंक (डी ई जी) व नीदरलैंड (एफ एम ओ) के द्वारा मिला हुआ है। इस प्रोजेक्ट को यू एन की ऑफ्सेटिंग स्कीम से जून **2011** को मान्यता दी गई जबकि इसमें पर्यावरण पर प्रभाव के विश्लेषण व साझेदारों के साथ चर्चाओं में कई कमियॉ पाई गई थीं। इस बॉध से कोमारका नगावे बूगले जो कि पनामा के मूल नगावे बूगले लोगों का एक संगठित रिज़र्वेशन है उनकी धरती पर बाढ़ आ जाएगी। आधे दर्ज़न से अधिक छोटे छोटे शहर जो कि कोमारका नदी के तटों पर स्थित हैं उनमें बाढ़ आ जाएगी व **5000** नगावे किसानों की जीविका जो कि पीने के पानी, खेती व मछली पकड़ने के लिए केवल नदी के जल पर निर्भर है वह सामाप्त हो जाएगी। हाल में निकली अल जज़ीरा पीपरल एन्ड पावर डॉक्यूमेन्टरी को देखें - 'पनामा : विलेज ऑफ द डेम्ड'

## एक सच्ची चर्चा प्रणाली का अभाव

बारो ब्लांको प्रोजेक्ट के साझेदारों की चर्चा कमियों से भरी हुई है। तथाकथित साझेदारों की चर्चा एक गुमनाम सर्वे के माध्यम से की गई जिसमें **50-50** प्रतिशत का ख्वारिज करने के लिए नकारात्मक बँटवारा हुआ जो कि अचरज की बात है विशेषकर तब जब सब यह जानते हैं कि प्रोजेक्ट का विरोध सर्वसम्मत है। इसने सर्वे से जानबूझ कर नगावे के गॉवों को भी दूर रखा। **8** फरवरी **2008** को वेलादेरो दे टोले में एक सार्वजनिक मंच का आयोजन किया गया। प्रभावित समुदायों को इसमें बुलाया नहीं गया था परन्तु वे सब ढेर सारी संख्या में इस प्रोजेक्ट के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए जमा हुए। इन्हें पुलिस ने तब तक घुसने नहीं दिया जब तक जेनीसिया के अधिकारियों ने इस अवसर को साझेदारों की मीटिंग न होकर केवल एक निजी मीटिंग होने की घोषणा नहीं की।

## सामाजिक, आर्थिक व पर्यावरण की लागत

मनोलो मिरांडा जो कि प्रभावित नगावे के रहने वाले हैं जिन्हें यदि प्रोजेक्ट आगे बढ़ता है तो कहीं और जाकर बसना पड़ेगा ने हमें बताया कि नैनसिटो के सभी सात गॉवों तबासारा अबाजो, क्यूबादा प्लाटा, कोग्ले, क्यूबादा काना, क्यूबादा किया, न्यूवो पालोमार को उनके गॉव में पानी भर जाने के कारण अन्य स्थानों पर बसना पड़ेगा। इसके बाशिंदों को हटना पड़ेगा व नदी के पास की उपजाऊ ज़मीन से भी उन्हें हाथ धोना पड़ेगा।

**अधिक जानकारी:**

- संयुक्त प्रेस रिलीज़ UN's offsetting project Barro Blanco hampers Panama peace-talks
- मानवाधिकार तथ्यों का पता लगाने वाले मिशन की अन्तिम रिर्पोट

# पारखी नज़र

# सूचना पट्ट

## सी डी एम परिचर्चा का मंच

वह स्थान है जहाँ पर सी डी एम के साथ सकारात्मक व नकारात्मक अनुभवों के विषय में चर्चा की जाती है। इसका उद्देश्य वास्तव में धरातल पर क्या चल रहा है उसकी सही तस्वीर लेना व उनसे सीख लेना है।

क्या सी डी एम अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रहा? मौसम व लोगों को सबसे अधिक लाभ पहुँचाने के लिए हमें क्या क्या बदलाव करने की ज़रूरत है? http://forum.cdm-watch.org/ पर लॉग ऑन करके अपना संदेश छोड़ें।

सी डी एम वॉच
परिचर्चा मंच

## हिन्दी में सी डी एम का टूल किट

जो लोग अपने देश में सी डी एम के प्रोजेक्टों का सामना करते हैं व उसकी प्रणालियों के विषय में व उसका विश्लेषण कैसे किया जाता है इस बारे में और अधिक जानना चाहते हैं तो उनके लिए टूल किट अब हिन्दी में भी उपलब्ध है जिसे आप डाउनलोड कर सकते हैं।

## कार्बन रश - नवीनतम डॉक्यूमेन्टरी

डॉक्यूमेन्टरी बनाने वाले एमी मिलर आपको पूरे विश्व के विवादास्पद सी डी एम व अन्य ऑफ्सेट प्रोजेक्टों में लेकर जाएँगे।

फिल्म यह सवाल उठाती है - मेज़बान देशों में ऑफ्सेट प्रोजेक्टों के क्या वास्तविक सामाजिक व पर्यावरण पर प्रभाव हैं? क्या वास्तव में वह स्रावों को कम करने में मदद करते हैं? सी डी एम से किसे लाभ व किसे नुकसान हो रहा है? कार्बन रश की वेबसाइट पर इसका ट्रेलर देख कर अधिक जानकारी प्राप्त करें।

Foto: Screenshot Trailer Courtesy: thecarbonrush.net

## सी डी एम वॉच के विषय में

CDM Watch
Scrutinizing Carbon Offsets

**सी डी एम** वॉच कार्बन बाज़ारों की समीक्षा करता है व न्यायिक और कारगर मौसम सुरक्षा की वकालत करता है। इसकी स्थापना सन् 2009 में अर्न्तराष्ट्रीय एन जी ओ की एक मुहिम के तहत हुई थी ताकि अलग अलग सी डी एम प्रोजेक्टों व राजनैतिक निर्णय लेने की प्रकिया को जो बड़े कार्बन बाज़ार को प्रभावित करती है उन्हें एक स्वतन्त्र दृष्टिकोण प्राप्त हो सके।

**सी डी एम वॉच नेटवर्क** संसार में उत्तर से दक्षिण तक एन जी ओ व शिक्षाविदों को सी डी एम प्रोजेक्टों व पॉलिसियों के विषय में जानकारी व चिंताओं के आदान प्रदान के लिए जोड़ता है। इसका उद्देश्य सी डी एम व कार्बन बाज़ारों के विकास में भद्र समाज की आवाज को मज़बूती देना है।

## सी डी एम के नेटवर्क से यहाँ पर जुड़ें

**Watch This!**
NGO Voices on the CDM

**पारखी नज़र को खरीदने के लिए आवेदन करने के लिए यहाँ ईमेल भेजें**
**antonia@cdm-watch.org**

**हमसे ट्विटर व फेसबुक पर यहाँ जुड़ें**
twitter @CDMWatch
and facebook

सी डी एम वॉच
Rue d'Albanie 117
1060 ब्रूसेल्स, बेल्जियम
info@cdm-watch.org
www.cdm-watch.org

डिसक्लेमर : इस न्यूज़लेटर में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अनुभवों पर आधारित हैं। वे किसी भी प्रकार सम्पूर्ण सी डी एम वॉच नेटवर्क के विचारों व मत को नहीं दर्शाते।